



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....११ नि. क्र. नं. १२७।

दिनांक ..३..३..२०२१....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....।-५.....

पहल

होम साइंस कालेज के विज्ञानियों ने महिलाओं का जीवन सुगम बनाने के लिए किए आविष्कार

अब धुंआ रहित चूल्हे की बारी, नहीं होगी सांस की बीमारी

जागरण संवाददाता, हिसार : ग्रामीण अंचल में महिलाओं की जिंदगी चुनौतियों से भरी हुई है। कई महिलाएं को रोजना चूल्हे पर खाना बनाती हैं, जिसके कारण उन्हें सांस की बीमारी होने की हरदम संभावना बनी रहती है। ऐसी महिलाओं के लिए कृषि विवि की महिला विज्ञानियों ने धुंआ रहित चूल्हा तैयार किया है। इस चूल्हे में धुंआ नहीं उठता है, जिसके कारण महिलाओं को प्रदूषण से मुक्ति मिलती है। यह नहीं बल्कि कपास चुगाई के लिए कपड़े की बैग, विस्तित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन जैसे आविष्कार महिलाओं की जिंदगी को आसान बना रहे हैं। ऐसे में इन उपकरणों का प्रयोग करने के लिए एचएयू की महिला विज्ञानी गांवों में जकर उन्हें प्रशिक्षित कर रही हैं। मंगलवार को एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस एवं अधिकारी भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित हुई।



गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा धुंआ रहित चूल्हा की जानकारी देते हुए। ● पीआरओ।

धुंआ रहित चूल्हे की क्या है विशेषताएं

- पारंपरिक चूल्हे की तुलना में 27 फीसद ईंधन बचाता है।
- सामान्य चूल्हे से धुंआ रहित चूल्हे की ऊर्जा शक्ति में 60 फीसद अधिक रहती है।
- पीएम लेवल (पार्टिकुलेट मीटर) को 45 फीसद कम करता है।
- रोटियां आसानी पकाई जा सकती हैं।
- दीवार काली होने से बचाव होगा।

10 गांवों की महिलाओं ने लिया भाग कार्यक्रम अधिकारी डा. पारुल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की जात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक नोडल अधिकारी डा. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंसरकरण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को खावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा बोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अधिष्ठाता डा. बिमला ढाड़ा एवं छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....लोक संपर्क संबंधी

दिनांक ३.३.२०२५ पृष्ठ संख्या.....७ कॉलम.....७:४

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ बोकल होना जरूरी



गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जानकारी देते हुए महाविद्यालय के वैज्ञानिक।

हिसार, 2 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इदरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारस्ल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा एवं छात्र

● एथेन्यू के होने साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक कृषक महिलाओं को दी उपकरणों की जानकारी परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को घर व खेत दोनों जगहों पर कार्य करना पड़ता है। इसलिए इस तरह के उपकरण उनके लिए समय व श्रम दोनों की बचत करते हैं। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दर्ता, सिर व चेहरे पर कैपरेन, एम.डी.वी. चूल्हा या धूआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी।

कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की। इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिए ताकि महिलाओं के उत्थान के साथ-साथ समाज का भी उत्थान हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनरल जाइल.....

दिनांक ३.३.२०२१ पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....५.....

'महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान हकृवि के होम साइंस परियोजना के तहत कॉलेज की ओर से एक ऑनलाइन ऑनलाइन वर्कशॉप वर्कशॉप आयोजित में महिलाओं को की गई। कार्यक्रम किया जागरूक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। कार्यशाला में करीब 10 युवाओं की किसान महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू संगवान ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आसपास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-मजियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक और जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

प्रो. किरण सिंह ने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरंती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एमडीवी चूल्हा या धुआं रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। सवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं न्यूज	03.03.2021	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ बोकल होना जरुरी

होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरुक

सच कहूं/सदीप सिंहमार
हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में बुवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारुल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग



लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू साधावान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंसंकरण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू साधावान ने छात्राओं के माध्यम

से वे समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा बोकल सहायक होंगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य बढ़ने के लिए बाजारे की उन्नत किसी खास तौर से जो बायो फॉटिफाइड किसमें हैं, उनके आस-पास उपलब्ध न होने खेतों में उगाइ जाने वाली फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी विपरियों का जाना चाहिए। एक और जहाँ यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में के लिए लाभकारी होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	03.03.2021	--	--

mycity बुधवार • 03.03.2021 **हिसार**

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ बोकल होना जरूरी

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के हैंडिस चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अधिकारी भारतीय समर्पित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन बोकल शाप आयोजित की गई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण कियान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशस्वी गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं कार्यों 10 जग्हा की विज्ञान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-अधियोजक व अधिकारी भारतीय समर्पित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नीति अधिकारी डॉ. चौमुख संगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंसंकरण एवं उत्थान उत्पादों होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है।

डॉ. चौमुख संगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्ञान

मूँ विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जानकारी देते हुए महाविद्यालय के वैज्ञानिक लोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उपकरण जाने वाली ताजा फल-संविजयों को कृषक सेवा सेवा योजना दिया जाना चाहिए। एक और जग्हा वह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होना चाही दी। उसरी और अपदनी में इनपक्ष होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

उक्त कार्यक्रम के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजार की उन्नत किसान खाद्य तोर से जो बाजे फॉर्टिफाइड किये हैं, उनके नियमित सेवन का आवश्यन किया जिससे महिलाओं में एंटीऑक्सीडेंटों जैसी विमर्शियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि जाजरा विख्यात खपत जितनी करी उत्तम ही स्वास्थ्य व व्यवहारण के लिए लाभकारी होगा। कृषक महिलाओं को दी ब्रह्म बचाने के उपकरणों की जानकारी परिवार संसाधन प्रबोधन की जागरूकी को बढ़ावा देने वाले उपकरणों की विवरणों में प्रबोध होने वाले उपकरणों को दी ब्रह्म बचाने के उपकरणों सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया।

विभाग की पूर्व विभागीय एवं फोटोग्राफर कृषक सिंह ने छात्राओं के माध्यम से उपकरणों को युवा शक्ति का एहसास दिलाते हुए बताया कि उनमें देश और दुनिया का बदलने की तकत है, लेकिन भवानीकालीय द्वारा विकसित उपकरणों को जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एक महिला होने के नाते छाउए कृषक महिलाओं को दशा सुधाने में सबसे अग्रिम मदद कर सकती है।

इस कार्यशाला के सफल अयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. चौमुख द्वांडा एवं छात्र काल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने घूरी टीम की समर्पण की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सभाय-समय पर किए जाने चाहिए, ताकि महिलाओं के उत्थान के साथ-साथ समाज का भी उत्थान हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	02.03.2021	--	--

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारुल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू सांगवान ने छात्राओं के माध्यम से ये समझाने की कोशिश की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी लोकल फसलों के लिए ज्यादा वोकल होना होगा। इसके लिए अपने आस-पास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-संबिज्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे एक ओर जहाँ यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उत्तर किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्मिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में

एनीमिया जैसी बीमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होंगा।

कृषक महिलाओं को दी श्रम बचाने के उपकरणों की जानकारी

परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को घर व खेत दोनों जगहों पर कार्य करना पड़ता है। इसलिए इस तरह के उपकरण उनके लिए समय व श्रम दोनों की बचत करते हैं। उन्होंने महिलाओं को कपास चूंगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चहरे पर कैपरान, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूर्ण मालिक ने छात्राओं को युवा शक्ति का एहसास दिलाने हुए बताया कि उनमें देश और दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी का एहसास भी होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि एक महिला होने के नाते छात्राएं कृषक महिलाओं कि दशा सुधारने में सबसे अधिक मदद कर सकती हैं। इस कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. बिमला ढांडा एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिए ताकि महिलाओं के उत्थान के साथ-साथ समाज का भी उत्थान हो सके।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	02.03.2021	--	--

होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारुल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब

10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. बीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है। परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने छात्राओं के माध्यम से कृषक महिलाओं की श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	02.03.2021	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी : डॉ. वीनू

एचएयू के होम
साइंस कॉलेज की
ओर से ऑनलाइन
वर्कशॉप में महिलाओं
को किया जागरूक

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के ईदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए



जागरूक करना था। महाविद्यालय सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग गिल ने बताया कि कार्यशाला में होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में सेवा योजना की छात्राओं एवं मदद की जा सकती है। डॉ. वीनू करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू

उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहाँ दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोटोफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आह्वान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बिमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा। कृषक महिलाओं को दी श्रम बचाने के उपकरणों की जानकारी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	02.03.2021	--	--

लोकल फसलों के लिए ज्यादा बोकल हों महिलाएं: डॉ. सांगवान

हिसार/02 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत एक ऑनलाईन वर्कशॉप आयोजित की गई जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारूल गिल ने बताया कि कार्यशाला में एनएसएस छात्राओं व करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह आयोजक व नोडल अधिकारी डॉ. बीनू सांगवान ने महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी लोकल फसलों के

लिए ज्यादा बोकल होने का संदेश देते हुए कहा कि इसके लिए अपने आसपास उपलब्ध व अपने खेतों में उगाई जाने वाली ताजा फल-सब्जियों को बढ़ावा दें। एक ओर जहां यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा वहीं दूसरी ओर आमदनी में इजाफा होगा और आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होगा। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य वर्धन के लिए बाजरे की उन्नत किस्मों खास तौर से जो बायो फोर्टिफाइड किस्में हैं, उनके नियमित सेवन का आव्यान किया जिससे महिलाओं में एनीमिया जैसी बिमारियों का निदान किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि बाजरा कि खपत जितनी करेंगे उतना ही स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा। परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर किरण सिंह ने कृषक महिलाओं को श्रम से बचाने व थकान कम करने के लिए

तरीके व महाविद्यालय द्वारा विकसित उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एमडीवी चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घेरलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से भी अवगत कराया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने छात्राओं को युवा शक्ति का एहसास दिलाते हुए बताया कि उनमें देश और दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी का एहसास भी होना जरूरी है। कार्यशाला के आयोजन के लिए महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा एवं छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने पूरी टीम की सराहना की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	02.03.2021	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

एचएयू हिसार के होम साइंस कॉलेज की ओर से ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को किया जागरूक

हिसार | सिरसा टुडे

जौधरी चरण स्थित हिंदुस्थान का विश्वविद्यालय हिसार के द्विदार्श चरणवाली ने जिसन मन्दिरशिखरों की गयीत्री सेवा योगा इहाँ एवं अखिल भारतीय अनुसंधान परियोजनाके तहत एक अन्यान्यान्य वर्कशॉप आयोजित कर गई। अलंकार का मुख्य उद्देश्य यहाँ प्राचीन विजितन मन्दिरोंके उत्तम में युवाओं की भूमिका बढ़ावाने के लिए जागरूक करना था। मन्दिरशिखरों की गयीत्री सेवा योगा इहाँ एवं पालक गिरि ने बताया कि आपको अपने



कृष्ण महिलाओं को दी श्रम बनाने व थकान कम करने के उपकरणों की जानकारी परिवर्तन संसाधन प्रबन्धन विधाया की पूर्वी विधायकालीन एक प्रोसेस किया गया जिसने छात्राओं के माध्यम से कृष्ण महिलाओं को श्रम से बचाना व थकान कम करने के लिए तकनीक व मालविकाशीय द्वारा विकसित उपकरणों को सही व चिरतारी से उपलब्ध कराना विभागीय दी। उद्देश्य के लिए यह किया गया था कि महिलाओं द्वारा एक बड़े खेत दोनों जाहाज पर काम करना पड़ता है। इसके अलावा, इस तरह के कारणण के लिए समय व श्रम दोनों को बचाना कराया जाता है। उद्दीप्ती विधायकों को काम कराया जाता है। जिसके कारण किया गया कार्य का लिए



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	02.03.2021	--	--

महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए लोकल के साथ वोकल होना जरूरी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के तहत एक ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसान महिलाओं के उत्थान में युवाओं की भूमिका और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक करना था। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पारुल गिल ने बताया कि कार्यशाला में गृह विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं एवं करीब 10 गांवों की किसान महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला सह-आयोजक व अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी ताकि कृषक महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने में मदद की जा सकती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जैनि रुमाइल

दिनांक .३.२.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-२.....

एग्री विजन के पांचवें सम्मेलन के पोस्टर का वीसी ने किया विमोचन

हिसार कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित होने वाले एग्री विजन के पांचवे राष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर सम्म सिंह ने किया। इस सम्मेलन का आयोजन एनएएससी कांलेक्स अईसीएआर पूसा नई दिल्ली में ६ से ७ मार्च तक किया जाएगा। जिसमें हरियाणा एग्रीविजन से हरियाणा प्रांत संयोजक डॉ प्रवीण गिल के साथ अन्य ५ विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। मौके पर एबीवीपी प्रमुख हेमंत कुमार, एग्रीकल्चर कालेज के डीन डा. एके छाबडा, कंट्रोलर ऑफ एजामिनेशन डा. एस के पाहुजा, डॉक्टर बजरंग लाल स्टेट इंचार्ज एग्रीविजन हरियाणा, डॉ प्रवीण गिल प्रांत संयोजक एग्री विजन हरियाणा, अभिषेक राजपत छात्र नेता, मनीष मीजद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

४१११८.प्राग्रह

दिनांक ..३..३..२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-४.....

जागरूक किया

मृदाजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए भी किसानों को दी जानकारी

खारा बरवाला व किशनगढ़ में मनाया किनू खेत दिवस

संगाद सहयोगी, मंडी आदमपुर : गांव सदलपुर के कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गट्टीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली की तरफ से खारा बरवाला व किशनगढ़ में किनू खेत दिवस मनाया गया।

केंद्र के संयोजक कोऑर्डिनेटर डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि गट्टीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला व किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। उक्त गांव का चयन किनू में आइपीएम रणनीतियों का विकास व वैधिक करण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआइपीएम से डा. पीएम मीना, सह प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर



किसानों के साथ केंद्र के वैज्ञानिक। ● विज्ञप्ति
ने संबोधित करते हुए बताया कि किनू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगाते हैं जिनकी

रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। नई दिल्ली से प्रधान वैज्ञानिक डा. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्र कर्मी की

समस्या उसका समाधान बताया। मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा के रखरखाव आदि की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। किसानों को किनू के खेत में भ्रमण करके फल में मौजूद बीमारियों जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं रोकथाम के उपाय बताएं। डा. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरल, मकड़ी, प्रेयिंग मैटिस आदि की पहचान व संरक्षण करने के जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के बाग को ही गोद लिया गया है, किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।